

सिंधी / SINDHI
(देवनागरी) / (Devanagari)
प्रश्न-पत्र I / Paper I
(साहित्य) / (LITERATURE)

वक्तु : 3 कलाक

Time Allowed : **Three Hours**

कुल मार्क : 250

Maximum Marks : 250

ज़रूरी हिदायतू

मेहरबानी करे सुवालनि जा जवाब लिखण खां पहिरीं हेठि डिनल हिदायतू ध्यान सां पढ़ो :

पेपर में अठ सुवाल बिनि भाडनि में विरहायल आहिनि ।

उन्हनि मां तव्हां खे कुल पंज सुवाल करिणा आहिनि ।

सुवाल 1 ऐं 5 करण ज़रूरी आहे । बिया टे सुवाल हरहिक सेक्शन मां घटि में घटि हिकु सुवाल चूडे करिणो आहे ।

हरहिक सुवाल जे साम्हं मार्कू लिखियल आहिनि ।

जवाब सिंधी देवनागरी लिपिअ में लिखणु ज़रूरी आहिनि ।

जंहे सुवाल जे जवाब लाइ लफ़्जनि जी सीमा आहे उन ते ध्यान डिनो वजे ।

जवाब नम्बरवारु सां जाचिया वेंदो । जेकडहिं कंहीं सुवाल जो को हिस्सो कयलु आहे या कटियलु आहे, उन खे बि गणियो वेंदो । सुवालनि सां डिनल जवाबी कॉपीअ में को हिस्सो या को पेज, खाली छडियलु आहे त उन खे क्रास कयो वजे ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in **SINDHI** in **Devanagari** script.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

- Q1. हेठि डिनल सुवालनि जा जवाब 150 लफ़ज़नि में लिखो :** **10×5=50**
- (a) भाषा ऐं उपभाषा बाबत समुझाणी डियो । 10
- (b) 'सिंधी भाषा ते सिराइकी बोलीअ जो असरु' विषय ते नोट लिखो । 10
- (c) सिंधीअ जा के बि डह पहाका ऐं इस्तलाह लिखी जुमिले में कम आणियो । 10
- (d) 'सिंधी भाषा विज्ञान जे खेतर में डा. मुरलीधर जेटली जो योगदान' विषय ते नोट लिखो । 10
- (e) 'आज़ादीअ खां पोइ देवनागरी सिंधी लिपिअ जो वाहिपो' विषय ते राइज़नी करियो । 10
- Q2. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लगभग 200 लफ़ज़नि में लिखो :**
- (a) "हाणोके सिंधु प्रांत में आर्य लोक जेका बोली गाल्हाईदा हुआ उन्हीअ में ई हाणोकी सिंधी बोलीअ जे विकास जो बिजु समायल हूंदो ।" दलील डेई समुझायो । 20
- (b) 1843 खां वठी अजु ताई सिंधी भाषा जी लिपियुनि जी ज़ाण डियो । 15
- (c) 'कच्छी उपभाषा ते गुजराती ऐं राजस्थानी बोलियुनि जो असरु' मिसाल पेश कंदे समुझायो । 15
- Q3. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लगभग 200 लफ़ज़नि में लिखो :**
- (a) विरहाडे खां अगु ऐं पोइ सिंधी शब्द भंडार में आयल तब्दीलियुनि ते रोशनी विझो । 20
- (b) सिंधी लुगतनवीसीअ जे खेतर में किनि बि बिनि अदीबनि जे योगदान जो ज़िक्र करियो । 15
- (c) 'विरहाडे खां पोइ सिंधी भाषा ते बियनि मकानी भाषाऊनि जो असरु' के मिसाल डेई समुझायो । 15
- Q4. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लगभग 200 लफ़ज़नि में लिखो :**
- (a) सिंधी बोलीअ जे बुण बुनियाद बाबत सिंधु ऐं हिंद जे विद्वाननि जा राया ज़ाहिर करियो । 20
- (b) मिसालनि ज़रीए थरेली उपभाषा जूं खूबियूं लिखो । 15
- (c) सिंधी बोलीअ लाइ अरबी फ़ारसी अल्फाबेट कीअ ठाही वेई ? 15

SECTION B

- Q5. हेठि डिनल सुवालनि जा जवाब 150 लफ़ज़नि में लिखो :** **10×5=50**
- (a) सिंधू नदीअ जे वहकरे बाबत डुंदकथाऊनि जी ज्ञाण डियो । 10
- (b) काज़ी कादन जे शइर ते रोशनी विज्ञो । 10
- (c) सिंधी शाइरीअ जे खेतर में मिर्जा कलीच बेग जे योगदान जो दर्जो मुकरर करियो । 10
- (d) जीवनी लिखण जे खेतर में तीर्थ बसंत जे योगदान जो जिक्र करियो । 10
- (e) विरहाडे खां पोइ जे सिंधी नाटकनवीसनि जे योगदान ते रोशनी विज्ञो । 10
- Q6. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लगभग 200 लफ़ज़नि में लिखो :**
- (a) 'अवाइली दौर जे सिंधी साहित्य जूं धाराऊं' बयान करियो । 20
- (b) सूफ़ी काव्यधारा जूं खासियतूं बुधायो । 15
- (c) अंग्रेज़नि जे दौर में सिंधी नसुरनवीसीअ खे कहिडे नमूने ऐं कीअ वधण वीज़ण जो मोको मिलियो ? 15
- Q7. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लगभग 200 लफ़ज़नि में लिखो :**
- (a) नारायण श्याम ऐं हरी दिलगीर जी शाइरीअ जूं खूबियूं लिखो । 20
- (b) ज्ञानमार्गी काव्यधारा जे कंहिं बि हिक शाइर जी शाइरीअ ते रोशनी विज्ञो । 15
- (c) हरी मोटवाणीअ जे किनि बिनि नावलनि जी मुख्तिसर ओख डोख करियो । 15
- Q8. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लगभग 200 लफ़ज़नि में लिखो :**
- (a) सचल साईंअ जी जीवनीअ ते रोशनी विज्ञी संदसि कलामनि जूं खूबियूं लिखो । 20
- (b) "सिंधी अदब जो अवाइली दौर लोक अदब जो दौर हो ।" राइज़नी करियो । 15
- (c) '1947 खां अगु जी सिंधी कहाणीअ जी ओसर' ते रोशनी विज्ञो । 15

The first part of the document discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions. It emphasizes that proper record-keeping is essential for ensuring the integrity and reliability of financial data. This section also outlines the various methods used to collect and analyze data, highlighting the need for consistency and precision in all reporting.

In the second part, the focus shifts to the analysis of trends and patterns over time. The document provides a detailed breakdown of the data, showing how different factors contribute to overall performance. It includes several charts and graphs that illustrate the relationship between various variables, allowing for a more comprehensive understanding of the underlying dynamics.

The third section addresses the challenges and opportunities associated with the current market environment. It discusses the impact of external factors such as economic conditions and regulatory changes, and offers insights into how these factors may influence future outcomes. The document also identifies key areas for improvement and suggests strategies to mitigate risks and maximize potential.

Finally, the document concludes with a summary of the findings and a call to action. It reiterates the importance of ongoing monitoring and evaluation, and encourages stakeholders to remain vigilant and responsive to changing circumstances. The overall message is one of proactive management and strategic planning, aimed at ensuring long-term success and sustainability.

The following table provides a detailed overview of the key data points discussed throughout the report. It includes information on revenue growth, cost management, and overall profitability, broken down by quarter and year. This data is intended to provide a clear and concise summary of the most critical performance indicators.

In conclusion, the document highlights the significant progress made in various areas, while also acknowledging the challenges that remain. It expresses confidence in the organization's ability to overcome these challenges and achieve its long-term goals. The report serves as a valuable tool for decision-making and strategic planning, providing a clear and actionable roadmap for the future.